Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

License Information

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

MRK

मरकुस 1:2–3, मरकुस 1:4, मरकुस 1:5, मरकुस 1:6, मरकुस 1:8, मरकुस 1:10, मरकुस 1:11, मरकुस 1:12, मरकुस 1:13, मरकुस1:15, मरकुस1:16, मरकुस1:17, मरकुस1:19, मरकुस 1:22, मरकुस1:24, मरकुस1:28, मरकुस1:30, मरकुस1:32–34, मरकुस1:35, मरकुस1:38–39, मरकुस1:40–41, मरकुस1:44, मरकुस2:4, मरकुस2:5, मरकुस2:6–7, मरकुस2:10–12, मरकुस 2:13–14, मरकुस 2:15–16, मरकुस 2:17, मरकुस 2:18, मरकुस 2:19, मरकुस 2:23–24, मरकुस 2:25–26, मरकुस 2:27, मरकुस 2:28, मरकुस 3:1–2, मरकुस 3:4, मरकुस 3:4 (#2), मरकुस 3:5, मरकुस 3:6, मरकुस 3:7–8, मरकुस 3:11, मरकुस3:14–15, मरकुस3:19, मरकुस3:21, मरकुस3:22, मरकुस3:23–24, मरकुस3:28–29, मरकुस3:33–35, मरकुस4:1, मरकुस4:4, मरकुस4:6, मरकुस4:7, मरकुस4:8, मरकुस4:11, मरकुस4:14, मरकुस4:15, मरकुस4:16–17, मरकुस4:18–19, मरकुस4:20, मरकुस4:22, मरकुस4:26–27, मरकुस4:30–32, मरकुस4:35–37, मरकुस4:38, मरकुस4:38 (#2), मरकुस 4:39, मरकुस4:41, मरकुस5:1–2, मरकुस5:4, मरकुस5:7, मरकुस5:8, मरकुस5:9, मरकुस5:13, मरकुस5:15, मरकुस5:17, मरकुस 5:19, मरकुस 5:22–23, मरकुस 5:25, मरकुस 5:28, मरकुस 5:30, मरकुस 5:32, मरकुस 5:34, मरकुस 5:35, मरकुस 5:36, मरकुस5:37, मरकुस5:40, मरकुस5:42, मरकुस6:2, मरकुस6:4, मरकुस6:6, मरकुस6:7, मरकुस6:8–9, मरकुस6:11, मरकुस 6:14–15, मरकुस 6:18, मरकुस 6:20, मरकुस 6:23, मरकुस 6:25, मरकुस 6:26, मरकुस 6:33, मरकुस 6:34, मरकुस 6:37, मरकुस 6:38, मरकुस 6:41, मरकुस 6:43, मरकुस 6:44, मरकुस 6:48, मरकुस 6:50, मरकुस 6:52, मरकुस 6:55, मरकुस 6:56, मरकुस7:2, मरकुस7:3–4, मरकुस7:8–9, मरकुस7:11–13, मरकुस7:15, मरकुस7:15 (#2), मरकुस7:18–19, मरकुस 7:19, मरकुस 7:20–23, मरकुस 7:21–22, मरकुस 7:25–26, मरकुस 7:28, मरकुस 7:29–30, मरकुस 7:33–34, मरकुस 7:36, मरकुस 8:1–2, मरकुस 8:5, मरकुस 8:6, मरकुस 8:8, मरकुस 8:9, मरकुस 8:11, मरकुस 8:15, मरकुस 8:16, मरकुस 8:19, मरकुस8:23, मरकुस8:25, मरकुस8:28, मरकुस8:29, मरकुस8:31, मरकुस8:33, मरकुस8:34, मरकुस8:36, मरकुस8:38, मरकुस 9:1, मरकुस 9:2–3, मरकुस 9:4, मरकुस 9:7, मरकुस 9:9, मरकुस 9:11–13, मरकुस 9:17–18, मरकुस 9:22, मरकुस 9:23–24, मरकुस 9:28–29, मरकुस 9:31, मरकुस 9:33–34, मरकुस 9:35, मरकुस 9:36–37, मरकुस 9:42, मरकुस 9:47, मरकुस 9:48, मरकुस 10:2, मरकुस 10:4, मरकुस 10:5, मरकुस 10:6, मरकुस 10:7–8, मरकुस 10:9, मरकुस 10:13–14, मरकुस 10:15, मरकुस 10:19, मरकुस 10:21, मरकुस 10:22, मरकुस 10:23–25, मरकुस 10:26–27, मरकुस 10:29–30, मरकुस 10:32, मरकुस 10:33–34, मरकुस 10:35–37, मरकुस 10:39, मरकुस 10:40, मरकुस 10:42, मरकुस 10:43–44, मरकुस 10:48, मरकुस 10:52, मरकुस 11:2, मरकुस 11:5–6, मरकुस 11:8, मरकुस 11:10, मरकुस 11:11, मरकुस 11:14, मरकुस11:15–16, मरकुस11:17, मरकुस11:17 (#2), मरकुस11:18, मरकुस11:20, मरकुस11:24, मरकुस11:25, मरकुस 11:27–28, मरकुस11:29–30, मरकुस11:31, मरकुस11:32, मरकुस12:1, मरकुस12:5, मरकुस12:6, मरकुस12:8, मरकुस 12:9, मरकुस 12:10, मरकुस 12:14, मरकुस 12:17, मरकुस 12:18, मरकुस 12:22, मरकुस 12:23, मरकुस 12:24, मरकुस 12:25, मरकुस 12:26–27, मरकुस 12:29–30, मार्क 12:31, मरकुस 12:35–37, मरकुस 12:38–40, मरकुस 12:44, मरकुस 13:2, मरकुस 13:4, मरकुस 13:5–6, मरकुस 13:7–8, मरकुस 13:9, मरकुस 13:10, मरकुस 13:12, मरकुस 13:13, मरकुस 13:14, मरकुस13:20, मरकुस13:22, मरकुस13:24–25, मरकुस13:26, मरकुस13:27, मरकुस13:30, मरकुस13:31, मरकुस 13:32, मरकुस 13:33, मरकुस 13:35, मरकुस 13:37, मरकुस 14:1, मरकुस 14:2, मरकुस 14:3, मरकुस 14:5, मरकुस 14:8, मरकुस14:9, मरकुस14:10, मरकुस14:12–15, मरकुस14:18, मरकुस14:20, मरकुस14:21, मरकुस14:22, मरकुस14:24, मरकुस14:25, मरकुस14:27, मरकुस14:30, मरकुस14:32–34, मरकुस14:35, मरकुस14:36, मरकुस14:37, मरकुस14:40, मरकुस14:41, मरकुस14:44–45, मरकुस14:48–49, मरकुस14:50, मरकुस14:51–52, मरकुस14:53–54, मरकुस14:55–56, मरकुस 14:61, मरकुस 14:62, मरकुस 14:64, मरकुस 14:65, मरकुस 14:66–68, मरकुस 14:71, मरकुस 14:72, मरकुस 14:72 (#2), मरकुस 15:1, मरकुस 15:5, मरकुस 15:6, मरकुस 15:10, मरकुस 15:11, मरकुस 15:12–13, मरकुस 15:17, मरकुस 15:21, मरकुस 15:22, मरकुस 15:24, मरकुस 15:26, मरकुस 15:29–30, मरकुस 15:31–32, मरकुस 15:32, मरकुस 15:33, मरकुस 15:34, मरकुस 15:37, मरकुस 15:38, मरकुस 15:39, मरकुस 15:42, मरकुस 15:43–46, मरकुस 16:1–2, मरकुस16:4, मरकुस16:5, मरकुस16:6, मरकुस16:7, मरकुस16:9, मरकुस16:11, मरकुस16:13, मरकुस16:14, मरकुस 16:15, मरकुस16:16, मरकुस16:16 (#2), मरकुस16:17–18, मरकुस16:19, मरकुस16:20, मरकुस16:20 (#2)

मरकुस 1:2–3

भविष्यद्वक्ता यशायाह ने प्रभु के आने से पहले क्या होने कि भविष्यवाणी की थी?

यशायाह ने अपने पुस्तक में भविष्यवाणी की थी कि परमेश्वर एक दूत को भेजेंगे, जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द, जो प्रभु का मार्ग तैयार करेगा।

मरकुस 1:4

यूहन्ना क्या प्रचार करने आए थे?

यूहन्ना ने पापों की क्षमा के लिए मन फिराव के बपतिस्मा का प्रचार करने आए थे।

मरकुस 1:5

यूहन्ना द्वारा बपतिस्मा लेते समय लोगों ने क्या किया?

यूहन्ना द्वारा बपतिस्मा लेते समय लोगों ने अपने पापों को मान लिया।

मरकुस 1:6

यूहन्ना क्या खाया करते थे?

यूहन्ना टिड्डियाँ और वनमधु खाया करते थे।

मरकुस 1:8

यूहन्ना ने क्या कहा कि उसके बाद आने वाला किससे बपतिस्मा देगा?

यूहन्ना ने कहा कि जो उसके बाद आएगा, वह पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा।

मरकुस 1:10

"जब यीशु यूहन्ना के द्वारा बपतिस्मा दिए जाने के बाद पानी से ऊपर उठे, तो उन्होंने क्या देखा?"

बपतिस्मा दिए जाने के बाद, यीशु ने आकाश को खुलते और आत्मा को कबूतर के रूप में अपने ऊपर उतरते देखा।

मरकुस 1:11

यीशु के बपतिस्मा लेने के बाद क्या आकाशवाणी हुई?

आकाशवाणी यह हुई, "तू मेरा प्रिय पुत्र है, तुझ से मैं प्रसन्न हूँ।"

मरकुस 1:12

यीशु को किसने जंगल की ओर भेजा?

आत्मा ने यीशु को जंगल की ओर भेजा।

मरकुस 1:13

यीशु जंगल में कितने समय तक रहे, और वहां उनके साथ क्या हुआ?

यीशु चालीस दिन तक जंगल में रहे, और वहाँ शैतान ने उनकी परीक्षा की।

मरकुस 1:15

यीशु ने क्या संदेश दिया?

यीशु ने प्रचार किया कि परमेश्वर का राज्य निकट है; लोगों को मन फिराना चाहिए और सुसमाचार पर विश्वास करें।

मरकुस 1:16

शमौन और अन्द्रियास का व्यवसाय क्या था?

शमौन और अन्द्रियास मछुए थे।

मरकुस 1:17

यीशु ने क्या कहा कि वे शमौन और अन्द्रियास को बनाने वाले हैं?

यीशु ने कहा कि वे शमौन और अन्द्रियास को मनुष्यों के पकड़नेवाले बनाएंगे।

मरकुस 1:19

याकूब और यूहन्ना का व्यवसाय क्या था?

याकूब और यूहन्ना मछुए थे।

मरकुस 1:22

यीशु के उपदेश ने आराधनालय में लोगों को चकित क्यों किया?

यीशु के उपदेश ने लोगों को चकित किया क्योंकि वे अधिकार के साथ उपदेश देते थे।

मरकुस 1:24

आराधनालय में अशुद्ध आत्मा ने यीशु को कौन सी उपाधि दी?

अशुद्ध आत्मा ने आराधनालय में यीशु को परमेश्वर के पवित्र जन की उपाधि दी।

मरकुस 1:28

यीशु के बारे में समाचार का क्या हुआ?

यीशु के बारे में समाचार आस-पास के सारे प्रदेश में फैल गया।

मरकुस 1:30

जब वे शमौन के घर गए, तब यीशु ने किसे चंगा किया?

जब वे शमौन के घर गए, यीशु ने शमौन की सास को चंगा किया।

मरकुस 1:32–34

जब शाम हुई तब क्या घटित हुआ?

जब शाम हुई, तो लोग सब बीमारों को और जिनमें दुष्टात्माएँ थीं उनको लाए, और यीशु ने उन्हें चंगा किया।

मरकुस 1:35

भोर को दिन निकलने से पहले यीशु ने क्या किया?

भोर को दिन निकलने से पहले, यीशु जंगली स्थान में गए और वहाँ प्रार्थना करने लगे।

मरकुस 1:38–39

यीशु ने शमौन से क्या कहा कि वे क्या करने आए थे?

यीशु ने कहा कि वे आस-पास की बस्तियों में प्रचार करने आए थे।

मरकुस 1:40–41

यीशु का उस कोढ़ी के प्रति क्या दृष्टिकोण था जिसने उनसे चंगा होने की विनती की?

यीशु को कोढ़ी पर तरस आया और उन्होंने उसे चंगा कर दिया।

मरकुस 1:44

यीशु ने कोढ़ी से क्या करने के लिए कहा, और क्यों?

यीशु ने कोढ़ी से कहा कि जो कुछ मूसा ने ठहराया है उसे भेंट चढ़ा। यह समुदाय के लिए इस बात की गवाही होगा कि वह चंगा हो गया है।

मरकुस 2:4

जो चार मनुष्य लकवे के मारे हुए को ले जा रहे थे, उन्होंने क्या किया?

उन मनुष्यों ने घर की छत को खोल दिया और लकवे के मारे हुए को यीशु के पास नीचे लटका दिया।

मरकुस 2:5

यीशु ने उस लकवे के मारे हुए से क्या कहा?

यीशु ने कहा, "हे पुत्र, तेरे पाप क्षमा हुए"।

मरकुस 2:6–7

कुछ शास्त्रियों ने यीशु की कही बातों पर आपत्ति क्यों जताई?

कुछ शास्त्रियों ने विचार किया कि यीशु ने परमेश्वर की निन्दा की है, क्योंकि केवल परमेश्वर ही पापों को क्षमा कर सकते हैं।

मरकुस 2:10–12

यीशु ने यह कैसे दिखाया कि उनके पास पृथ्वी पर पापों को क्षमा करने का अधिकार है?

यीशु ने लकवे के मारे हुए से कहा कि वह अपनी खाट उठाकर अपने घर चला जाए, और उस व्यक्ति ने वैसा ही किया।

मरकुस 2:13–14

जब यीशु ने लेवी से उनके पीछे आने के लिए कहा, तब लेवी क्या कर रहे थे?

जब यीशु ने लेवी को बुलाया, तब वह चुंगी की चौकी पर बैठे थे।

मरकुस 2:15–16

लेवी के घर पर, यीशु क्या कर रहे थे जिससे फरीसी नाराज़ हो गए?

यीशु पापियों और चुंगी लेनेवालों के साथ भोजन कर रहे थे।

मरकुस 2:17

यीशु ने कहा कि वे किसे बुलाने आए थे?

यीशु ने कहा कि वे पापियों को बुलाने आए थे।

मरकुस 2:18

कुछ लोगों ने यीशु से उपवास के सम्बन्ध में कौन सा प्रश्न पूछा?

उन्होंने यीशु से पूछा कि उनके चेले क्यों उपवास नहीं रखते हैं, जबकि यूहन्ना के चेले और फरीसियों के चेले उपवास रखते हैं।

मरकुस 2:19

यीशु ने कैसे समझाया कि उनके चेले क्यों उपवास नहीं कर रहे थे?

यीशु ने कहा कि जब तक दूल्हा बारातियों के साथ रहता है, वे उपवास नहीं कर सकते।

मरकुस 2:23–24

सब्त के दिन यीशु के चेलों ने खेतों में क्या किया जिससे फरीसी नाराज हो गए?

यीशु के चेलों ने सब्त के दिन अनाज के बालों को तोड़ा और उन्हें खा लिया।

मरकुस 2:25–26

यीशु ने किसका उदाहरण दिया, जिसने आवश्यकता होने पर वह रोटी खाई जो सामान्यतः उसके लिए उचित नहीं थी?

यीशु ने दाऊद का उदाहरण दिया, जिसने आवश्यकता होने पर भेंट की रोटियाँ खाईं, जो सामान्यतः केवल याजकों के लिए ही थी।

मरकुस 2:27

यीशु ने कहा कि सब्त किसके लिए बनाया गया था?

यीशु ने कहा कि सब्त मनुष्यों के लिए बनाया गया था।

मरकुस 2:28

यीशु ने अपने लिए किस अधिकार का दावा किया?

यीशु ने कहा कि वे सब्त के दिन का भी स्वामी है।

मरकुस 3:1–2

वे सब्त के दिन आराधनालय में यीशु की घात में क्यों लगे हुए थे?

वे यीशु की घात में लगे हुए थे कि क्या वह सब्त के दिन चंगा करेंगे, ताकि वे उन पर दोष लगा सकें।

मरकुस 3:4

यीशु ने लोगों से सब्त के विषय में क्या प्रश्न पूछा?

यीशु ने लोगों से पूछा कि क्या सब्त के दिन भला करना उचित है या बुरा करना।

मरकुस 3:4 (#2)

लोगों ने यीशु के प्रश्न का उत्तर कैसे दिया?

लोग चुप रहे।

मरकुस 3:5

फिर यीशु का उनके प्रति क्या दृष्टिकोण था?

यीशु ने उनको क्रोध से चारों ओर देखा।

मरकुस 3:6

जब यीशु ने उस मनुष्य को चंगा किया, तब फरीसियों ने क्या किया?

फरीसियों ने बाहर जाकर यीशु को नाश करने की सम्मति करने लगे।

मरकुस 3:7-8

जब यीशु झील की ओर चले गए, तो कितने लोग उनके पीछे हो लिए?

यीशु के पीछे एक बड़ी भीड़ हो ली।

मरकुस 3:11

जब अशुद्ध आत्माओं ने यीशु को देखा, तो उन्होंने चिल्लाकर क्या कहा?

अशुद्ध आत्माओं ने चिल्लाकर कहा कि यीशु परमेश्वर के पुत्र हैं।

मरकुस 3:14-15

यीशु ने कितने पुरुषों को प्रेरित के रूप में नियुक्त किया, और उन्हें क्या कार्य सौंपा?

यीशु ने बारह प्रेरितों को नियुक्त किया कि वे उनके साथ-साथ रहें, प्रचार करें और दुष्टात्माओं को निकालने का अधिकार रखें।

मरकुस 3:19

वह प्रेरित कौन था जो यीशु को पकड़वा देगा?

वह प्रेरित जो यीशु को पकड़वा देगा, वह यहूदा इस्करियोती था।

मरकुस 3:21

यीशु के कुटुम्बियों ने भीड़ और यीशु के चारों ओर हो रही घटनाओं के बारे में क्या सोचा?

यीशु के कुटुम्बियों ने सोचा कि उनकी सुध-बुध ठिकाने पर नहीं है।

मरकुस 3:22

शास्त्रियों ने यीशु पर कौन से आरोप लगाए?

शास्त्रियों ने यीशु पर आरोप लगाया कि वे दुष्टात्माओं के सरदार की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालते हैं।

मरकुस 3:23-24

शास्त्रियों के आरोपों के प्रति यीशु की प्रतिक्रिया क्या थी?

यीशु ने उत्तर दिया यदि किसी राज्य में फूट पड़े, तो वह राज्य कैसे स्थिर रह सकता है।

मरकुस 3:28-29

यीशु ने किस पाप के विषय में कहा की वह क्षमा नहीं किया जा सकता?

यीशु ने कहा कि जो कोई पवित्र आत्मा के विरुद्ध निन्दा करे, वह कभी भी क्षमा नहीं किया जा सकता।

मरकुस 3:33-35

यीशु ने किसके विषय में कहा कि वे उनकी माता और भाई हैं?

यीशु ने कहा कि उनकी माता और भाई वही हैं जो परमेश्वर की इच्छा पर चलते हैं।

मरकुस 4:1

यीशु शिक्षा देने के लिए नाव पर चढ़कर क्यों बैठ गए?

यीशु एक नाव में सिखाने के लिए चढ़कर बैठ गए क्योंकि उनके चारों ओर एक बहुत बड़ी भीड़ इकट्ठी हो गई थी।

मरकुस 4:4

मार्ग के किनारे बोए गए बीजों का क्या हुआ?

पक्षियों ने आकर उसे चुग लिया।

मरकुस 4:6

पत्थरीली भूमि में बोए गए बीजों के साथ सूरज निकलने पर क्या हुआ?

पौधे जल गए, और जड़ न पकड़ने के कारण सूख गए।

मरकुस 4:7

झाड़ियों के बीच बोए गए बीजों के साथ क्या हुआ?

झाड़ियों ने बढ़कर उसे दबा दिया।

मरकुस 4:8

अच्छी मिट्टी में बोए गए बीजों का क्या हुआ?

बीज फलवन्त हुए; और कोई तीस गुणा, कोई साठ गुणा और कोई सौ गुणा फल लाए।

मरकुस 4:11

यीशु ने किस विषय में कहा कि बारह को क्या दिया गया है, परन्तु बाहरवालों को नहीं?

यीशु ने कहा कि परमेश्वर के राज्य के भेद की समझ बारह चेलों को दी गई है, परन्तु बाहरवालों को नहीं।

मरकुस 4:14

यीशु के दृष्टान्त में, बीज क्या दर्शाता है?

बीज परमेश्वर के वचन को दर्शाता है।

मरकुस 4:15

मार्ग के किनारे बोए गए बीज का क्या अर्थ है?

यह उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो वचन को सुनते हैं, परन्तु शैतान तुरन्त आकर उसे उठा ले जाता है।

मरकुस 4:16–17

पत्थरीली भूमि पर बोया गया बीज क्या दर्शाता है?

यह उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो आनन्द के साथ वचन ग्रहण कर लेते हैं, परन्तु जब उन पर उपद्रव होता है, तो वे तुरन्त ठोकर खाते हैं।

मरकुस 4:18–19

काँटों के बीच बोया गया बीज क्या दर्शाता है?

यह उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो वचन को सुनते हैं, परन्तु संसार की चिन्ताएँ वचन को दबा देती हैं।

मरकुस 4:20

अच्छी मिट्टी में बोया गया बीज क्या दर्शाता है?

यह उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो वचन सुनकर ग्रहण करते और फल लाते हैं।

मरकुस 4:22

यीशु ने क्या कहा कि छिपी और गुप्त वस्तुओं का होगा?

यीशु ने कहा कि छिपी हुई और गुप्त बातें प्रगट हो जाएंगी।

मरकुस 4:26–27

परमेश्वर का राज्य उस मनुष्य के समान किस प्रकार है जो भूमि में बीज छींट देता है?

वह मनुष्य बीज छींट देता है, और वह बढ़ता है, परन्तु उसे नहीं पता कि कैसे, फिर जब फसल पक जाती है, तो वह उसे इकट्ठा कर लेता है।

मरकुस 4:30–32

परमेश्वर का राज्य राई के दाने के समान क्यों है?

राई के दाना सबसे छोटे बीजों में से एक होता है, फिर भी यह एक बड़े पौधे में विकसित होता है जहाँ कई पक्षी अपने घोंसले बना सकते हैं।

मरकुस 4:35–37

जब चेले और यीशु झील पार कर रहे थे, तब क्या हुआ?

एक बड़ी आँधी आई, जिससे नाव में पानी भर जाने का खतरा हो गया।

मरकुस 4:38

उस समय यीशु नाव में क्या कर रहे थे?

यीशु सो रहे थे।

मरकुस 4:38 (#2)

चेलों ने यीशु से क्या प्रश्न पूछा?

चेलों ने यीशु से पूछा कि क्या तुझे चिन्ता नहीं, कि हम नाश हुए जाते हैं।

मरकुस 4:39

तब यीशु ने क्या किया?

यीशु ने आँधी को डाँटा, और पानी को शांत किया।

मरकुस 4:41

जब यीशु ने यह किया, तो चेलों की प्रतिक्रिया क्या थी?

चेले बहुत ही डर गए और आश्चर्य करने लगे कि यीशु कौन है, कि आँधी और पानी भी उनकी आज्ञा मानते हैं।

मरकुस 5:1–2

जब वे गिरासेनियों के देश में आए, तो यीशु से कौन मिला?

एक मनुष्य, जिसमें अशुद्ध आत्मा थी, यीशु से मिला।

मरकुस 5:4

जब लोगों ने इस मनुष्य को जंजीरों से बांधने का प्रयास किया, तो क्या हुआ?

जब लोगों ने इस मनुष्य को जंजीरों से बांधने का प्रयास किया, तो उसने जंजीरों को तोड़ दिया।

मरकुस 5:7

अशुद्ध आत्मा ने यीशु को क्या उपाधि दी?

अशुद्ध आत्मा ने यीशु को परमप्रधान परमेश्वर का पुत्र कहा।

मरकुस 5:8

यीशु ने उस मनुष्य में मौजूद अशुद्ध आत्मा से क्या कहा?

यीशु ने कहा, "हे अशुद्ध आत्मा, इस मनुष्य में से निकल आ।"

मरकुस 5:9

अशुद्ध आत्मा का क्या नाम था?

अशुद्ध आत्मा का नाम सेना था, क्योंकि वे बहुत थे।

मरकुस 5:13

जब यीशु ने उस मनुष्य में से अशुद्ध आत्मा को निकाला, तब क्या हुआ?

अशुद्ध आत्मा निकलकर सूअरों के भीतर घुस गई, और झुण्ड कड़ाड़े पर से झपटकर झील में जा पड़ा, और डूब मरा।

मरकुस 5:15

अशुद्ध आत्मा निकल जाने के बाद उस मनुष्य की अवस्था क्या थी?

वह मनुष्य यीशु के पास कपड़े पहने और सचेत बैठा था।

मरकुस 5:17

उस देश के लोगों ने यीशु से क्या करने के लिए कहा?

लोगों ने यीशु से उनकी सीमा से चले जाने की विनती की।

मरकुस 5:19

यीशु ने उस मनुष्य से, जो कब्रों में रहता था, क्या करने के लिए कहा?

यीशु ने उस मनुष्य से कहा कि वह अपने घर जाकर अपने लोगों को बताए, कि प्रभु ने उसके लिये कैसे बड़े काम किए हैं।

मरकुस 5:22–23

आराधनालय के सरदार याईर ने यीशु से क्या विनती की?

याईर ने यीशु से विनती की कि वह उसके साथ आकर उसकी बेटी पर हाथ रखें, जो मरने पर थी।

मरकुस 5:25

उस स्त्री की क्या समस्या थी जिसने यीशु के वस्त्र को छुआ?

उस स्त्री को 12 वर्षों से लहू बहने का रोग था।

मरकुस 5:28

उस स्त्री ने यीशु के वस्त्र को क्यों छुआ?

स्त्री ने सोचा कि अगर वह यीशु के वस्त्रों ही को छू लेगी, तो वह चंगी हो जाएंगी।

मरकुस 5:30

जब उस स्त्री ने यीशु के वस्त्र को छुआ, तो यीशु ने क्या किया?

यीशु जानते थे कि उनसे सामर्थ्य निकली है, इसलिए उन्होंने पूछा कि किसने उनके वस्त्र को छुआ है।

मरकुस 5:32

उस स्त्री के यीशु के वस्त्र को छूने के बाद यीशु ने क्या किया?

यीशु ने यह देखने के लिए कि उसे किसने छुआ है, चारों ओर दृष्टि की।

मरकुस 5:34

जब स्त्री ने यीशु को सब कुछ सच-सच बता दिया, तब यीशु ने उससे क्या कहा?

यीशु ने उससे कहा कि उसके विश्वास ने उसे चंगा किया है, और वह कुशल से जाए।

मरकुस 5:35

जब यीशु याईर के घर पहुंचे, तब याईर की बेटी की स्थिति कैसी थी?

याईर की बेटी मर चुकी थी।

मरकुस 5:36

उस समय यीशु ने याईर से क्या कहा?

यीशु ने याईर से कहा कि मत डर; केवल विश्वास रख।

मरकुस 5:37

चेलों में से कौन-कौन यीशु के साथ उस कमरे में गए जहाँ लड़की थी ?

पतरस, याकूब, और याकूब के भाई यूहन्ना यीशु के साथ उस कमरे में गए।

मरकुस 5:40

जब यीशु ने कहा कि याईर की बेटी सो रही है, तो घर के लोगों ने क्या किया?

जब यीशु ने कहा कि याईर की बेटी केवल सो रही हैं, तो लोग उसकी हँसी करने लगे।

मरकुस 5:42

जब लड़की उठी और चलने लगी, तो लोगों की प्रतिक्रिया कैसी थी?

लोग अत्यधिक स्तब्ध और चकित हो गए।

मरकुस 6:2

यीशु के गृहनगर के लोग उनके बारे में चकित क्यों थे?

लोगों यह नहीं जानते थे कि उन्हें शिक्षाएं, ज्ञान और सामर्थ्य के काम कहां से मिलते हैं।

मरकुस 6:4

यीशु ने कहाँ कहा कि एक भविष्यद्वक्ता का आदर नहीं होता?

यीशु ने कहा कि एक भविष्यद्वक्ता का अपने देश, अपने कुटुम्ब, और अपने घर को छोड़ और कहीं भी निरादर नहीं होता।

मरकुस 6:6

यीशु ने अपने गृहनगर के लोगों के प्रति किस बात पर आश्चर्य किया?

यीशु ने अपने गृह नगर के लोगों के अविश्वास पर आश्चर्य किया।

मरकुस 6:7

यीशु ने अपने बारह चेलों को भेजते समय उन्हें क्या अधिकार दिया?

यीशु ने बारहों को अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया।

मरकुस 6:8–9

बारह चेले अपनी यात्रा में अपने साथ क्या ले गए?

बारह चेलों ने एक लाठी, जूतियाँ और एक कुर्ता लिया।

मरकुस 6:11

यदि किसी स्थान के लोग उन्हें ग्रहण नहीं करते हैं, तो यीशु ने बारहों से क्या करने के लिए कहा?

यीशु ने बारहों से कहा कि वे अपने तलवों की धूल झाड़ डाले ताकि यह उनके विरुद्ध एक गवाही हो।

मरकुस 6:14–15

लोगों ने यीशु को किस रूप में पहचाना?

लोगों ने सोचा कि यीशु यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले या एलिय्याह या एक भविष्यद्वक्ता थे।

मरकुस 6:18

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने हेरोदेस से क्या कहा था कि वह अनुचित काम कर रहा है?

यूहन्ना ने हेरोदेस से कहा था कि उसके भाई की पत्नी से विवाह करना उचित नहीं है।

मरकुस 6:20

जब हेरोदेस ने यूहन्ना को प्रचार करते हुए सुना, तो उसने किस प्रकार प्रतिक्रिया दी?

जब हेरोदेस ने यूहन्ना को प्रचार करते सुना, तो वह बहुत घबरा गया, परन्तु फिर भी आनन्द से सुनता था।

मरकुस 6:23

हेरोदेस ने हेरोदियास की बेटी से क्या शपथ खाई?

हेरोदेस ने शपथ खाई कि वह अपने आधे राज्य तक जो कुछ वह उससे मांगेगी वह उसे दे देगा।

मरकुस 6:25

हेरोदियास की बेटी ने क्या मांगा?

हेरोदियास की बेटी ने एक थाल में यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का सिर मांगा।

मरकुस 6:26

हेरोदेस ने हेरोदियास की बेटी की मांग पर कैसे प्रतिक्रिया दी?

हेरोदेस बहुत उदास हुआ, परन्तु अपनी शपथ के कारण और साथ बैठनेवालों के कारण उसे टालना न चाहा।

मरकुस 6:33

जब यीशु और प्रेरितों ने आराम करने के लिए अकेले जाने की कोशिश की तो क्या हुआ?

बहुत से लोगों ने उन्हें पहचान लिया और यीशु और प्रेरितों से पहले वहाँ पहुंचने के लिए दौड़ पड़े।

मरकुस 6:34

भीड़ के प्रति यीशु का क्या दृष्टिकोण था जो उनकी प्रतीक्षा कर रही थी?

यीशु को उन पर तरस आया क्योंकि वे उन भेड़ों के समान थे, जिनका कोई रखवाला न हो।

मरकुस 6:37

जब यीशु ने पूछा, तो चेलों ने क्या सोचा कि उन्हें लोगों को खिलाने के लिए क्या करना चाहिए?

चेलों ने सोचा कि उन्हें जाकर 200 दीनार मूल्य की रोटी खरीदनी पड़ेगी।

मरकुस 6:38

चेलों के पास पहले से कौन-सा भोजन था?

चेलों के पास पहले से पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ थीं।

मरकुस 6:41

जब यीशु ने रोटियाँ और मछलियाँ लीं तो उन्होंने क्या किया?

जब यीशु ने रोटियाँ और मछलियाँ लीं, तो उन्होंने स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद किए और रोटियाँ तोड़-तोड़कर चेलों को दे दिया।

मरकुस 6:43

सभी के खाने के बाद कितना भोजन बच गया?

जब सभी ने खा लिया, तब 12 टोकरी रोटी और मछली के टुकड़े बच गए।

मरकुस 6:44

कितने पुरुषों ने भोजन किया था?

5,000 पुरुषों ने भोजन किया था।

मरकुस 6:48

यीशु झील पर चेलों के पास कैसे आए?

यीशु झील पर चलते हुए अपने चेलों के पास आए।

मरकुस 6:50

जब चेलों ने यीशु को देखा, तो उसने उनसे क्या कहा?

यीशु ने चेलों से कहा कि वे धैर्य रखें और डरें नहीं।

मरकुस 6:52

चेले रोटियों के चमत्कार को क्यों नहीं समझ पाए?

चेलों ने रोटियों के चमत्कार को नहीं समझ पाए क्योंकि उनके मन समझने में धीमे थे।

मरकुस 6:55

जब सारे देश के लोगों ने यीशु को पहचाना, तो उन्होंने क्या किया?

लोग जहाँ भी सुनते कि यीशु आ रहे हैं, वे बीमारों को खाटों पर डालकर उनके पास ले आते थे।

मरकुस 6:56

उन लोगों का क्या हुआ जिन्होंने सिर्फ यीशु के वस्त्र के आँचल को छुआ था?

जो लोग यीशु के वस्त्र के आँचल को छूते थे, वे चंगे हो जाते थे।

मरकुस 7:2

यीशु के कुछ चेले क्या कर रहे थे जिससे फरीसियों और शास्त्रियों को आपत्ति हुई?

कुछ चेले बिना हाथ धोए रोटी खा रहे थे।

मरकुस 7:3–4

यह किसकी परंपरा थी कि भोजन से पहले हाथ, कटोरे, लोटे और तांबे के बरतनों को धोए जाएँ?

यह प्राचीनों की परंपरा थी कि भोजन से पहले हाथ, कटोरे, लोटे और तांबे के बरतनों को धोए जाएँ।

मरकुस 7:8–9

यीशु ने फरीसियों और शास्त्रियों को उनके धोने की परम्पराओं के विषय में क्या सिखाया?

यीशु ने कहा कि फरीसी और शास्त्री परमेश्वर की आज्ञाओं को टालकर मनुष्यों की रीतियों को सिखाते थे।

मरकुस 7:11–13

फरीसियों और शास्त्रियों ने परमेश्वर की उस आज्ञा को कैसे निष्फल कर दिया जो कहती है कि अपने पिता और माता का आदर करें?

उन्होंने परमेश्वर की आज्ञा को इस प्रकार निष्फल कर दिया कि लोगों से कहा कि वे अपने पिता और माता की सहायता के लिए जो धन दे सकते थे, उन्हें कुरबान के रूप में दे दें।

मरकुस 7:15

यीशु ने क्या कहा कि कौन सी वस्तु किसी मनुष्य को अशुद्ध नहीं करती?

यीशु ने कहा कि ऐसी तो कोई वस्तु नहीं जो मनुष्य में बाहर से समाकर उसे अशुद्ध करे।

मरकुस 7:15 (#2)

यीशु ने क्या कहा कि कौन सी बातें मनुष्य को अशुद्ध करती हैं?

यीशु ने कहा कि जो वस्तुएँ मनुष्य के भीतर से निकलती हैं, वे ही उसे अशुद्ध करती हैं।

मरकुस 7:18–19

यीशु ने क्या कहा कि कौन सी बातें मनुष्य को अशुद्ध नहीं करती है?

यीशु ने कहा कि जो वस्तु बाहर से मनुष्य के भीतर जाती है, वह उसे अशुद्ध नहीं कर सकती।

मरकुस 7:19

यीशु ने किस प्रकार की भोजनवस्तुओं को शुद्ध ठहराया है?

यीशु ने सब भोजनवस्तुओं को शुद्ध ठहराया है।

मरकुस 7:20–23

यीशु ने क्या कहा कि कौन सी बातें मनुष्य को अशुद्ध करती हैं?

यीशु ने कहा कि जो किसी मनुष्य में से निकलता है, वही उसे अशुद्ध करता है।

मरकुस 7:21–22

यीशु के अनुसार कौन सी बातें हैं जो मनुष्य से निकलकर उसे अशुद्ध कर सकती हैं?

यीशु ने कहा कि बुरे-बुरे विचार, व्यभिचार, चोरी, हत्या, परस्त्रीगमन, लोभ, दुष्टता, छल, लुचपन, कुदृष्टि, निन्दा, अभिमान, और मूर्खता मनुष्य से निकलकर उसे अशुद्ध कर सकती हैं।

मरकुस 7:25–26

जिस स्त्री की बेटी में एक अशुद्ध आत्मा थी, क्या वह यहूदी थी या यूनानी?

जिस स्त्री की बेटी में एक अशुद्ध आत्मा थी, वह एक यूनानी स्त्री थी।

मरकुस 7:28

जब यीशु ने उस स्त्री से कहा कि लड़कों की रोटी लेकर कुत्तों के आगे डालना उचित नहीं है, तो उसने क्या प्रतिक्रिया दिखाई?

उस स्त्री ने कहा कि कुत्ते भी तो मेज के नीचे बालकों की रोटी के चूर चार खा लेते हैं।

मरकुस 7:29–30

यीशु ने उस स्त्री के लिए क्या किया?

यीशु ने उस स्त्री की बेटी से दुष्टात्मा को बाहर निकाल दिया।

मरकुस 7:33–34

जब बहरे और हक्ले व्यक्ति को यीशु के पास लाया गया, तो उन्होंने उसे चंगा करने के लिए क्या किया?

यीशु ने अपनी उंगलियाँ उस पुरुष के कानों में डालीं, और थूककर उसकी जीभ को छुआ, फिर स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "खुल जा!"

मरकुस 7:36

जब यीशु ने लोगों को चेतावनी दी कि वे उनकी चंगाइयों के बारे में किसी को न बताएं, तो लोगों ने क्या किया?

जितना यीशु ने उन्हें चुप रहने की चेतावनी दी, उतना ही वे इसके बारे में और प्रचार करने लगे।

मरकुस 8:1–2

यीशु ने उस बड़ी भीड़ के प्रति क्या चिन्ता व्यक्त की जो उनका अनुसरण कर रही थी?

यीशु ने कहा कि उन्हें उस भीड़ पर तरस आता है क्योंकि भीड़ के पास खाने के लिए कुछ भी नहीं था।

मरकुस 8:5

चेलों के पास कितनी रोटियाँ थीं?

चेलों के पास सात रोटियाँ थीं।

मरकुस 8:6

यीशु ने चेलों की रोटियों का क्या किया?

यीशु ने धन्यवाद किया, रोटियों को तोड़ा और उन्हें परोसने के लिए अपने चेलों को दिया।

मरकुस 8:8

सभी के खाने के बाद कितना भोजन बच गया?

सभी के खाने के बाद सात टोकरी भोजन बच गया था।

मरकुस 8:9

कितने लोगों ने खाया और तृप्त हुए?

लगभग 4,000 पुरुष थे जिन्होंने खाया और तृप्त हुए।

मरकुस 8:11

उसे परखने के लिए, फरीसियों ने यीशु से क्या करने के लिए कहा?

फरीसी चाहते थे कि यीशु उन्हें स्वर्ग से कोई चिन्ह दिखाए।

मरकुस 8:15

यीशु ने फरीसियों के विषय में अपने चेलों को क्या चेतावनी दी?

यीशु ने अपने चेलों को फरीसियों के खमीर से सावधान रहने की चेतावनी दी।

मरकुस 8:16

चेलों को क्या लगा कि यीशु किस बारे में बात कर रहे थे?

चेलों ने विचार किया कि यीशु इस बात के बारे में बात कर रहे थे कि वे रोटी लाना भूल गये।

मरकुस 8:19

यीशु ने अपने चेलों को याद दिलाया कि जब उन्होंने पांच रोटियाँ तोड़ी थीं, तब क्या हुआ था?

यीशु ने उन्हें याद दिलाया कि जब उन्होंने पांच रोटियाँ तोड़ी थीं, तब 5,000 पुरुषों ने खाया था और टुकड़ों की 12 टोकरियाँ भरकर उठाई गई थीं।

मरकुस 8:23

यीशु ने अंधे व्यक्ति की दृष्टि वापस लाने के लिए सबसे पहले कौन से दो काम किए?

यीशु ने पहले उनकी आँखों पर थूका और उन पर अपने हाथ रखे।

मरकुस 8:25

यीशु ने अंधे व्यक्ति की दृष्टि पूरी तरह बहाल करने के लिए उसके साथ तीसरा काम क्या किया?

यीशु ने फिर दोबारा उसकी आँखों पर अपने हाथ रखे।

मरकुस 8:28

लोग क्या कह रहे थे कि यीशु कौन हैं?

लोग कह रहे थे कि यीशु यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, एलिय्याह, या भविष्यद्वक्ताओं में से एक थे।

मरकुस 8:29

पतरस ने क्या कहा कि यीशु कौन हैं?

पतरस ने कहा कि यीशु ही मसीह हैं।

मरकुस 8:31

भविष्य की किन घटनाओं के बारे में यीशु ने अपने चेलों को स्पष्ट रूप से सिखाना शुरू किया?

यीशु ने अपने चेलों को सिखाया कि मनुष्य के पुत्र को बहुत दुःख उठाना होगा, अस्वीकार किया जाएगा, मारा जाएगा, और तीन दिन बाद पुनर्जीवित किया जाएगा।

मरकुस 8:33

जब पतरस यीशु को डाटने लगा, तब यीशु ने क्या कहा?

यीशु ने पतरस से कहा, "हे शैतान, मेरे सामने से दूर हो; क्योंकि तू परमेश्वर की बातों पर नहीं, परन्तु मनुष्य की बातों पर मन लगाता है।"

मरकुस 8:34

यीशु ने क्या कहा कि जो कोई उनके पीछे आना चाहे उसे क्या करना चाहिए?

यीशु ने कहा कि जो कोई भी उनके पीछे आना चाहे, उसे अपने आप का इन्कार करना होगा, अपना क्रूस उठाना होगा, और उनके पीछे आना होगा।

मरकुस 8:36

यीशु ने एक मनुष्य की जगत की चीज़ें पाने की इच्छा के बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा, "यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा?"

मरकुस 8:38

यीशु ने क्या कहा कि वह उन लोगों के बारे में क्या करेंगे जो उनसे और उनके बातों से लजाएगा?

यीशु ने कहा कि जब वे आएंगे, तो वे उन लोगों से लजाएंगे जो उनसे और उनके बातों से लज्जित हुए थे।

मरकुस 9:1

यीशु ने किसके बारे में कहा कि वह परमेश्वर के राज्य को सामर्थ्य सहित आते हुए देखेगा?

यीशु ने कहा कि वहाँ जो लोग उनके साथ खड़े हैं, उनमें से कुछ तब तक नहीं मरेंगे जब तक वे परमेश्वर के राज्य को सामर्थ्य सहित आते हुए नहीं देख लेंगे।

मरकुस 9:2–3

जब पतरस, याकूब, और यूहन्ना यीशु के साथ एक ऊँचे पहाड़ पर गए, तो यीशु के साथ क्या हुआ?

यीशु का रूप बदल गया और उनके वस्त्र अत्यंत उज्ज्वल होकर चमकने लगा।

मरकुस 9:4

पहाड़ पर यीशु के साथ कौन बातचीत कर रहे थे?

एलिय्याह और मूसा यीशु के साथ बातचीत कर रहे थे।

मरकुस 9:7

पहाड़ पर, बादल में से शब्द ने क्या कहा?

शब्द ने कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है। इसकी सुनो"।

मरकुस 9:9

यीशु ने चेलों को पहाड़ पर जो देखा था उसके बारे में क्या आज्ञा दी?

यीशु ने उन्हें आज्ञा दी कि जब तक कि मनुष्य का पुत्र मरे हुओं में से जी न उठे, तब तक जो कुछ उन्होंने देखा है, वह किसी से न कहें।

मरकुस 9:11–13

यीशु ने एलिय्याह के आने के विषय में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि एलिय्याह पहले आकर सब कुछ सुधारेंगे, और कि एलिय्याह तो आ चुके हैं।

मरकुस 9:17–18

चेले उस पिता और उसके पुत्र के लिए क्या नहीं कर सके?

चेले उस पिता के पुत्र से दुष्टात्मा को निकालने में असमर्थ थे।

मरकुस 9:22

दुष्ट आत्मा ने लड़के को नाश करने के लिए उसे किसमें गिराया?

दुष्ट आत्मा ने लड़के को आग और कभी पानी में गिराया ताकि उसे नाश कर सके।

मरकुस 9:23–24

जब यीशु ने कहा कि विश्वास करने वाले के लिए सब कुछ हो सकता है, तो पिता ने क्या प्रतिक्रिया दी?

पिता ने तुरन्त पुकारकर कहा, "हे प्रभु, मैं विश्वास करता हूँ; मेरे अविश्वास का उपाय कर!"

मरकुस 9:28–29

चेले लड़के में से गूंगी और बहरी आत्मा को बाहर निकालने में असमर्थ क्यों थे?

चेलों में उस आत्मा को निकालने की क्षमता नहीं थी, क्योंकि प्रार्थना के बिना इसे निकाला नहीं जा सकता था।।

मरकुस 9:31

यीशु ने अपने चेलों को क्या बताया कि उसके साथ क्या होगा?

यीशु ने उन्हें बताया कि उसे मार डाला जाएगा, और फिर तीन दिन बाद वह फिर से जी उठेगा।

मरकुस 9:33–34

रास्ते में चेले किस बात पर विवाद कर रहे थे?

चेले इस बात पर विवाद कर रहे थे कि उनमें से बड़ा कौन है।

मरकुस 9:35

यीशु ने किसे बड़ा कहा?

यीशु ने कहा कि वह बड़ा है जो सबका सेवक है।

मरकुस 9:36–37

जब कोई यीशु के नाम पर एक छोटे बालक को ग्रहण करता है, तो वह किसे ग्रहण कर रहा होता है?

जब कोई यीशु के नाम में एक छोटे बालक को ग्रहण करता है, तो वह यीशु और उन्हें भेजने वाले को भी ग्रहण कर रहा होता है।

मरकुस 9:42

उस व्यक्ति के लिए क्या बेहतर होगा जो यीशु पर विश्वास करने वाले छोटों में से एक को ठोकर खिलाता है?

उसके लिए यह बेहतर होगा कि उसके गले में एक चक्की का पाट लटकाया जाए और उसे समुद्र में डाल दिया जाए।

मरकुस 9:47

यीशु ने क्या कहा कि यदि तेरी आँख तुझे ठोकर खिलाए तो उसके साथ क्या करें?

यीशु ने कहा कि यदि तेरी आँख तुझे ठोकर खिलाए, तो उसे निकाल डाल।

मरकुस 9:48

यीशु ने क्या बताया कि नरक में क्या होता है?

यीशु ने कहा कि नरक में कीड़ा नहीं मरता, और आग नहीं बुझती।

मरकुस 10:2

फरीसियों ने यीशु से उन्हें परखने के लिए कौन सा प्रश्न पूछा?

फरीसियों ने यीशु से पूछा कि क्या यह उचित है, कि पुरुष अपनी पत्नी को त्यागे।

मरकुस 10:4

मूसा ने यहूदियों को त्यागने के सम्बन्ध में क्या आज्ञा दी थी?

मूसा ने पुरुष को अपनी पत्नी को त्याग-पत्र लिखने और त्यागने की आज्ञा दी थी।

मरकुस 10:5

मूसा ने यहूदियों को त्यागने के सम्बन्ध में यह आज्ञा क्यों दिया था?

मूसा ने यह आज्ञा यहूदियों को उनके मन की कठोरता के कारण दिया था।

मरकुस 10:6

जब यीशु ने फरीसियों को विवाह के लिए परमेश्वर की मूल योजना के बारे में बताया, तो उन्होंने इतिहास की किस घटना का उल्लेख किया?

यीशु ने विवाह के लिए परमेश्वर की मूल योजना के बारे में बताते समय शुरुआत के नर और नारी की रचना का उल्लेख किया।

मरकुस 10:7–8

यीशु ने क्या कहा कि दो लोग, पुरुष और उसकी पत्नी, विवाह होने पर क्या बन जाते हैं?

यीशु ने कहा कि दोनों एक तन हो जाते हैं।

मरकुस 10:9

यीशु ने विवाह में परमेश्वर द्वारा जोड़े गए सम्बन्धों के बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है, उसे मनुष्य अलग न करे।

मरकुस 10:13–14

जब यीशु के चेलों ने उन लोगों को डाँटा जो उसके पास छोटे बालकों को ला रहे थे, तो यीशु की क्या प्रतिक्रिया थी?

यीशु चेलों पर क्रोधित हुए और उनसे कहा कि बालकों को मेरे पास आने दो।

मरकुस 10:15

यीशु ने क्या कहा कि परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए उसे किस प्रकार ग्रहण करना चाहिए?

यीशु ने कहा कि परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए उसे एक बालक की तरह ग्रहण करना चाहिए।

मरकुस 10:19

अनन्त जीवन का अधिकारी होने के लिये यीशु ने सबसे पहले उस मनुष्य से क्या करने को कहा?

यीशु ने उस मनुष्य से कहा कि 'हत्या न करना, व्यभिचार न करना, चोरी न करना, झूठी गवाही न देना, छल न करना, अपने पिता और अपनी माता का आदर करना।

मरकुस 10:21

फिर यीशु ने उस मनुष्य को कौन सी अतिरिक्त आज्ञा दीं?

तब यीशु ने उस मनुष्य को आज्ञा दीं कि वह अपना सब कुछ बेचकर उसके पीछे हो ले।

मरकुस 10:22

जब यीशु ने उस आदमी को यह आज्ञा दी तो उसने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई और क्यों?

वह मनुष्य शोक करता हुआ चला गया, क्योंकि वह बहुत धनी था।

मरकुस 10:23–25

यीशु ने किसके बारे में कहा कि उसे परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने में बड़ी कठिनाई होगी?

यीशु ने कहा कि धनवानों के लिए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने में बड़ी कठिनाई होगी।

मरकुस 10:26–27

यीशु ने क्या कहा कि एक धनी व्यक्ति भी कैसे उद्धार प्राप्त कर सकता है?

यीशु ने कहा कि मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।

मरकुस 10:29–30

यीशु ने क्या कहा कि की उसे मिलेगा, जो कोई भी उनके लिए घर या भाइयों या बहनों या माता या पिता या बाल-बच्चों या खेतों को छोड़ता है?

यीशु ने कहा कि वे इस संसार में सौ गुणा अधिक प्राप्त करेंगे, पर सताव के साथ और परलोक में अनन्त जीवन।

मरकुस 10:32

यीशु और उनके चेले किस मार्ग पर यात्रा कर रहे थे?

यीशु और चेले उस मार्ग पर यात्रा कर रहे थे जो यरूशलेम की ओर जा रही थी।

मरकुस 10:33–34

यीशु ने अपने चेलों को क्या बताया कि यरूशलेम में उनके साथ क्या घटित होगा?

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि उन्हें लोग मृत्यु के योग्य ठहराएँगे और अन्यजातियों के हाथ में सौंपेंगे।

मरकुस 10:35–37

याकूब और यूहन्ना ने यीशु से क्या अनुरोध किया?

याकूब और यूहन्ना ने यीशु से अनुरोध किया कि वे महिमा में उनके दाहिने और बाएँ बैठे।

मरकुस 10:39

यीशु ने क्या कहा कि याकूब और यूहन्ना सहेंगे?

यीशु ने कहा कि याकूब और यूहन्ना जो कटोरा यीशु पीने पर है, क्या वह पिएंगे; और जो बपतिस्मा वे लेने पर हैं, उसे लेंगे।

मरकुस 10:40

क्या यीशु ने याकूब और यूहन्ना की विनती स्वीकार की?

नहीं। यीशु ने कहा कि उनके दाहिने और बाएँ बैठाना उनका काम नहीं।

मरकुस 10:42

यीशु ने कैसे कहा कि अन्यजातियों के शासक अपने प्रजा के साथ व्यवहार करते हैं?

यीशु ने कहा कि अन्यजातियों के अधिपति अपनी प्रजा पर प्रभुता करते हैं।

मरकुस 10:43–44

यीशु ने कहा कि जो चेलों में बड़ा होना चाहते हैं उन्हें कैसा जीवन जीना चाहिए?

यीशु ने कहा कि जो चेलों में बड़ा होना चाहते हैं, उन्हें सबका सेवक बनना चाहिए।

मरकुस 10:48

जब अंधे बरतिमाई को बहुतों ने डाँटा और चुप रहने को कहा, तो उसने क्या किया?

बरतिमाई और भी पुकारने लगा, "हे दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर!"

मरकुस 10:52

यीशु ने क्या कहा जिससे बरतिमाई का अंधापन चंगा हो गया?

यीशु ने कहा कि बरतिमाई के विश्वास ने उसे चंगा कर दिया है।

मरकुस 11:2

यीशु ने अपने दो चेलों को उनके सामने वाले गाँव में क्या करने के लिए भेजा?

यीशु ने उन्हें भेजा कि वे एक गदही का बच्चा, जिस पर कभी कोई नहीं चढ़ा, उसे उसके पास ले आएं।

मरकुस 11:5–6

जब चेलों ने गदही के बच्चे को खोला, तब क्या हुआ?

कुछ लोगों ने चेलों से पूछा कि वे क्या कर रहे हैं, तो उन्होंने लोगों से वैसे ही कहा जैसा यीशु ने उन्हें बताया था, और लोगों ने उन्हें जाने दिया।

मरकुस 11:8

जब यीशु गदही के बच्चे पर सवार होकर जा रहे थे, तो लोगों ने मार्ग में क्या बिछाया?

लोगों ने मार्ग में अपने कपड़े और खेतों से काटी हुई डालियाँ बिछाया।

मरकुस 11:10

जब यीशु यरूशलेम की ओर सवार होकर जा रहे थे, तो लोग किस आने वाले राज्य के विषय में पुकार रहे थे?

लोग पुकार पुकारकर कह रहे थे कि उनके पिता दाऊद का राज्य आ रहा है।

मरकुस 11:11

जब यीशु ने मन्दिर के आँगन में प्रवेश किया, तो उन्होंने क्या किया?

यीशु ने चारों ओर देखा और फिर बैतनिय्याह चले गए।

मरकुस 11:14

जब यीशु ने अंजीर का पेड़ बिना फल के देखा, तो उन्होंने क्या किया?

यीशु ने अंजीर के पेड़ से कहा, "अब से कोई तेरा फल कभी न खाए।"

मरकुस 11:15-16

इस बार जब यीशु मन्दिर के आँगन में प्रवेश किए, तो उन्होंने क्या किया?

यीशु ने लेन-देन करने वालों को बाहर निकाल दिया और और मन्दिर में से होकर किसी को बर्तन लेकर आने-जाने न दिया।

मरकुस 11:17

पवित्रशास्त्र के अनुसार यीशु ने कहा कि परमेश्वर का घर कैसा होना चाहिए?

यीशु ने पवित्रशास्त्र के अनुसार कहा कि मेरा घर सब जातियों के लिये प्रार्थना का घर कहलाएगा।

मरकुस 11:17 (#2)

यीशु ने क्या कहा कि प्रधान याजकों और शास्त्रियों ने प्रार्थना के घर को क्या बना दिया था?

यीशु ने कहा कि उन्होंने प्रार्थना के घर को डाकुओं की खोह बना दिया है।

मरकुस 11:18

प्रधान याजक और शास्त्री यीशु के साथ क्या करने का प्रयास कर रहे थे?

प्रधान याजक और शास्त्री यीशु को मारने का प्रयास कर रहे थे।

मरकुस 11:20

उस अंजीर के पेड़ का क्या हुआ जिससे यीशु ने बात की थी?

वह अंजीर का पेड़, जिससे यीशु ने बात की थी, अपनी जड़ तक सूख गया।

मरकुस 11:24

यीशु ने प्रार्थना में हम जो कुछ भी मांगते हैं उसके बारे में क्या कहा

यीशु ने कहा कि जो कुछ भी हम प्रार्थना में मांगते हैं, उस पर विश्वास करें कि वह हमें मिल गया है, और वह हमारे लिए हो जाएगा।

मरकुस 11:25

यीशु ने क्या कहा कि हमें करना चाहिए ताकि स्वर्ग में हमारे पिता भी हमें क्षमा करें?

यीशु ने कहा कि हमें किसी के प्रति जो विरोध हो, उसे क्षमा करना चाहिए ताकि पिता भी हमारे अपराध क्षमा करें।

मरकुस 11:27-28

मन्दिर में, प्रधान याजक और शास्त्री और पुरनिओं ने यीशु से क्या जानना चाहा?

वे जानना चाहते थे कि वह किस अधिकार से वह काम कर रहे थे।

मरकुस 11:29-30

यीशु ने प्रधान याजक और शास्त्री और पुरनिओं से कौन सा प्रश्न पूछा?

यीशु ने उनसे पूछा कि यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग की ओर से था या मनुष्यों की ओर से था।

मरकुस 11:31

प्रधान याजक और शास्त्री और पुरनिओं ने यह क्यों नहीं कहा कि यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग से था?

वे यह उत्तर नहीं देना चाहते थे क्योंकि यीशु पूछते कि उन्होंने यूहन्ना पर विश्वास क्यों नहीं किया।

मरकुस 11:32

प्रधान याजक और शास्त्री और पुरनिओं ने क्यों नहीं चाहा कि वे यह उत्तर दें कि यूहन्ना का बपतिस्मा मनुष्यों से था?

वे इस उत्तर को नहीं देना चाहते थे क्योंकि वे लोगों से डरते थे, क्योकि सब ये मानते थे कि यूहन्ना एक भविष्यद्वक्ता थे।

मरकुस 12:1

दाख की बारी लगाने और ठेके पर देने के बाद मालिक ने क्या किया?

दाख की बारी लगाने और ठेके पर देने के बाद, मालिक परदेश चला गया।

मरकुस 12:5

किसानों ने उन बहुत से दासों के साथ क्या किया जिन्हें मालिक ने दाख की बारी से फल लेने के लिए भेजा था?

किसानों ने उन दासों में से कितनों को पीटा और कितनों को मार डाला।

मरकुस 12:6

स्वामी ने दाख की बारी के किसानों के पास अन्त में किसे भेजा?

स्वामी ने अन्त में अपने प्रिय पुत्र को भेजा।

मरकुस 12:8

स्वामी द्वारा आखिरी बार भेजे गए को दाख की बारी के किसानों ने क्या किया?

दाख की बारी के किसानों ने उसे पकड़ लिया, मार डाला, और दाख की बारी से बाहर फेंक दिया।

मरकुस 12:9

दाख की बारी का स्वामी दाख की बारी के किसानों के साथ क्या करेगा?

दाख की बारी का स्वामी आएगा और दाख की बारी के किसानों को नाश करेगा और दाख की बारी को औरों को दे देगा।

मरकुस 12:10

पवित्रशास्त्र में जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था, उसके साथ क्या होता है?

जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था, वही कोने का सिरा हो गया।

मरकुस 12:14

फरीसियों और हेरोदियों में से कुछ ने यीशु से कौन-सा प्रश्न किया?

उन्होंने उनसे पूछा कि क्या कैसर को कर देना उचित है, कि नहीं।

मरकुस 12:17

यीशु ने उनके प्रश्न का उत्तर कैसे दिया?

यीशु ने कहा कि जो कैसर का है वह कैसर को, और जो परमेश्वर का है परमेश्वर को दो।

मरकुस 12:18

सदूकियों का किस में विश्वास नहीं था?

सदूकियों का पुनरुत्थान में विश्वास नहीं था।

मरकुस 12:22

सदूकियों द्वारा बताई गई कहानी में, उस स्त्री के कितने पति थे?

उस स्त्री के सात पति थे।

मरकुस 12:23

सदूकियों ने यीशु से उस स्त्री के बारे में क्या प्रश्न किया?

उन्होंने पूछा कि पुनरुत्थान के समय उन पुरुषों में से कौन उस स्त्री का पति होगा।

मरकुस 12:24

यीशु ने सदूकियों को उनकी त्रुटि का क्या कारण बताया?

यीशु ने कहा कि सदूकी न तो पवित्रशास्त्र को जानते थे और न ही परमेश्वर की सामर्थ्य को।

मरकुस 12:25

उस स्त्री के विषय में सदूकियों के प्रश्न का उत्तर यीशु ने क्या दिया?

यीशु ने कहा कि जब वे मरे हुओं में से जी उठेंगे, तो उनमें विवाह-शादी न होगी; पर स्वर्ग में दूतों के समान होंगे।

मरकुस 12:26-27

यीशु ने शास्त्रों से यह कैसे प्रमाणित किया कि पुनरुत्थान होता है?

यीशु ने मूसा की पुस्तक से उद्धृत किया, जहाँ परमेश्वर कहते हैं कि वे अब्राहम, इसहाक, और याकूब के परमेश्वर हैं - जिसका अर्थ है कि वे सब अब भी जीवित हैं।

मरकुस 12:29-30

यीशु ने कौन-सी आज्ञा को सबसे मुख्य बताया?

यीशु ने कहा कि सब आज्ञाओं में से यह मुख्य है, तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन से, और अपने सारे प्राण से, और अपनी सारी बुद्धि से, और अपनी सारी शक्ति से प्रेम रखना।

मार्क 12:31

यीशु ने कौन-सी आज्ञा को दूसरी बताया?

यीशु ने कहा कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना यह दूसरी आज्ञा है।

मरकुस 12:35-37

मसीह के विषय में यीशु ने कौन-सा प्रश्न किया?

यीशु ने पूछा कि दाऊद मसीह को प्रभु कैसे कह सकते हैं जब मसीह दाऊद का पुत्र है।

मरकुस 12:38-40

यीशु ने लोगों से शास्त्रियों के बारे में किस बात से सावधान रहने के लिए कहा?

यीशु ने कहा कि शास्त्री पुरुषों द्वारा सम्मानित होने की लालसा रखते हैं, लेकिन वे विधवाओं के घरों को खा जाते हैं और लोगों को दिखाने के लिये बड़ी देर तक प्रार्थना करते हैं।

मरकुस 12:44

यीशु ने क्यों कहा कि गरीब विधवा ने उस मन्दिर के भण्डार में जो कुछ डाला, वह उन सभी से अधिक था जिन्होंने उसमें योगदान दिया?

यीशु ने कहा कि उसने अपनी घटी में से जो कुछ उसका था, अर्थात् अपनी सारी जीविका डाल दी है, जबकि अन्य लोगों ने अपनी धन की बढ़ती में से डाला है।

मरकुस 13:2

यीशु ने क्या कहा कि मन्दिर के अद्भुत पत्थरों और इमारतों का होगा?

यीशु ने कहा कि यहाँ पत्थर पर पत्थर भी बचा न रहेगा।

मरकुस 13:4

फिर चेलों ने यीशु से कौन सा प्रश्न किया?

चेलों ने यीशु से पूछा कि ये बातें कब होंगी, और इसका क्या चिन्ह होगा।

मरकुस 13:5-6

किस बात के विषय में यीशु ने कहा कि चेलों को सावधान रहना चाहिए?

यीशु ने कहा कि चेलों को सावधान रहना चाहिए कि कोई उन्हें भरमा न दे।

मरकुस 13:7-8

यीशु ने किस बात के लिए कहा कि यह तो पीड़ाओं का आरम्भ ही होगा?

यीशु ने कहा कि लड़ाइयाँ, और लड़ाइयों की चर्चा, भूकम्प और अकाल यह तो पीड़ाओं का आरम्भ ही होगा।

मरकुस 13:9

यीशु ने किस बात के विषय में कहा कि चेलों के साथ यह घटित होगा?

यीशु ने कहा कि चेलों को सभाओं में सौंपेंगे, आराधनालयों में पीटा जाएगा, और राज्यपालों और राजाओं के आगे खड़े किए जाएँगे, ताकि उनके लिये गवाही हो।

मरकुस 13:10

यीशु ने किस बात के बारे में कहा कि पहले होना आवश्यक है?

यीशु ने कहा कि पहले सुसमाचार सब जातियों में प्रचार किया जाए।

मरकुस 13:12

यीशु ने किस बात के बारे में कहा कि परिवार के सदस्यों के बीच होगा?

यीशु ने कहा कि एक परिवार का सदस्य दूसरे परिवार के सदस्य को मरने के लिए सौंप देगा।

मरकुस 13:13

यीशु ने किसके बारे में कहा कि उसी का उद्धार होगा?

यीशु ने कहा कि जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा।

मरकुस 13:14

यीशु ने कहा कि जब यहूदिया में रहने वाले लोग उजाड़नेवाली घृणित वस्तु को देखें तो उन्हें क्या करना चाहिए?

"जब यहूदा में रहने वाले लोग उजाड़ने वाली घृणित वस्तु को देखें, तो वे पहाड़ों पर भाग जाएँ।

मरकुस 13:20

यीशु ने कहा कि प्रभु चुने हुए लोगों के लिए क्या करेंगे, ताकि वे उद्धार प्राप्त कर सकें?

यीशु ने कहा कि प्रभु अपने चुने हुए लोगों के लिए क्लेश के दिनों को घटा देंगे।

मरकुस 13:22

यीशु ने किसके बारे में कहा कि वह लोगों को भरमा देने के लिए उठेगा?

यीशु ने कहा कि झूठे मसीह और झूठे भविष्यवक्ता उठ खड़े होंगे ताकि लोगों को भरमा दें।

मरकुस 13:24-25

उन दिनों की विपत्ति के बाद आकाश में प्रकाश और शक्तियों के साथ क्या होगा?

सूरज और चाँद अंधकारमय हो जाएंगे, तारे आकाश से गिरने लगेंगे। आकाश की शक्तियाँ हिलाई जाएँगी।

मरकुस 13:26

लोग बादलों में क्या देखेंगे?

वे मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ्य और महिमा के साथ बादलों में आते देखेंगे।

मरकुस 13:27

जब मनुष्य का पुत्र आएगा, तो वह क्या करेगा?

मनुष्य का पुत्र पृथ्वी और आकाश के छोरों से अपने चुने हुए लोगों को इकट्ठा करेगा।

मरकुस 13:30

यीशु ने क्या कहा कि जब तक ये सब बातें न हो जाएँ, तब तक यह लोग जाते न रहेंगे?

यीशु ने कहा कि जब तक ये सब बातें न हो लेंगी, तब तक यह लोग जाते न रहेंगे।

मरकुस 13:31

यीशु ने किस विषय में कहा कि कभी न टलेगा?

यीशु ने कहा कि उनकी बातें कभी न टलेंगी।

मरकुस 13:32

यीशु ने क्या कहा कि ये सारी बातें कब होंगी?

यीशु ने कहा कि पिता के अतिरिक्त कोई भी उस दिन या उस समय को नहीं जानता।

मरकुस 13:33

यीशु ने अपने चेलों को समय के बारे में क्या आज्ञा दी??

यीशु ने अपने चेलों से जागते रहने, देखते और प्रार्थना करने के लिए कहा।

मरकुस 13:35

यीशु ने अपने आने के बारे में अपने चेलों को क्या आज्ञा दी?

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे उनके आगमन की प्रतीक्षा करते हुए सतर्क रहें।

मरकुस 13:37

यीशु ने अपने आने के बारे में अपने चेलों को क्या आज्ञा दी?

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे जागते और देखते रहें।

मरकुस 14:1

प्रधान याजक और शास्त्री किस बात की खोज में थे?

वे इस बात की खोज में थे कि उसे कैसे छल से पकड़कर मार डालें।

मरकुस 14:2

प्रधान याजक और शास्त्री अखमीरी रोटी के पर्व के समय यह कार्य क्यों नहीं करना चाहते थे?

वे चिन्तित थे कि कहीं ऐसा न हो कि लोगों में दंगा मचे।

मरकुस 14:3

शमौन कोढ़ी के घर पर एक स्त्री ने यीशु के साथ क्या किया?

उस स्त्री ने जटामासी का बहुमूल्य शुद्ध इत्र लाकर और पात्र तोड़कर इत्र को यीशु के सिर पर उण्डेला।

मरकुस 14:5

क्या कारण था की कुछ लोग उस स्त्री को झिड़कने लगे?

कुछ लोग उस स्त्री को झिड़कने लगे कि उसने इत्र को बेचकर उसका पैसा गरीबो को क्यों नहीं बाँटा।

मरकुस 14:8

यीशु ने क्या कहा कि उस स्त्री ने उसके लिए क्या किया था?

यीशु ने कहा कि उसने उनके गाड़े जाने की तैयारी में पहले से उनकी देह पर इत्र मला है।

मरकुस 14:9

उस स्त्री ने जो किया उसके बारे में यीशु ने क्या प्रतिज्ञा किया?

यीशु ने प्रतिज्ञा किया कि सारे जगत में जहाँ कहीं सुसमाचार प्रचार किया जाएगा, वहाँ उसके इस काम की चर्चा भी उसके स्मरण में की जाएगी।

मरकुस 14:10

यहूदा इस्करियोती प्रधान याजकों के पास क्यों गया?

यहूदा इस्करियोती प्रधान याजकों के पास गया, कि यीशु को उनके हाथ पकड़वा दे।

मरकुस 14:12–15

चेलों ने उस स्थान को कैसे पाया जहाँ वे सभी फसह खाने की तैयारी करेंगे?

यीशु ने उनसे कहा कि नगर में जाओ, और एक मनुष्य जल का घड़ा उठाए हुए तुम्हें मिलेगा, उसके पीछे हो लेना, और फिर उससे पूछो कि वह पाहुनशाला कहाँ है जहाँ वे फसह का भोजन करेंगे।

मरकुस 14:18

जब वे भोजन कर रहे थे, तब यीशु ने क्या कहा?

यीशु ने कहा कि उसके साथ भोजन करने वाले चेलों में से एक उसे पकड़वाएगा।

मरकुस 14:20

यीशु ने किस चेले के बारे में कहा कि वह उन्हें पकड़वाएगा?

यीशु ने कहा कि जो मेरे साथ थाली में हाथ डालता है, वही उन्हें पकड़वाएगा।

मरकुस 14:21

यीशु ने उस चेले के भाग्य के बारे में क्या कहा जिसने उन्हें पकड़वाया?

यीशु ने कहा कि यदि उस मनुष्य का जन्म ही न होता तो उसके लिये भला होता।

मरकुस 14:22

जब यीशु ने चेलों को तोड़ी हुई रोटी दी, तब उन्होंने क्या कहा?

यीशु ने कहा, "लो, यह मेरी देह है"

मरकुस 14:24

जब यीशु ने चेलों को कटोरा दिया, तब उन्होंने क्या कहा?

यीशु ने कहा, "यह वाचा का मेरा वह लहू है, जो बहुतों के लिये बहाया जाता है।"

मरकुस 14:25

यीशु ने क्या कहा कि वे फिर से दाख का रस कब पिएंगे?

यीशु ने कहा कि दाख का रस वे उस दिन तक फिर कभी न पिएंगे, जब तक परमेश्वर के राज्य में नया न पिएँ।

मरकुस 14:27

जैतून के पहाड़ पर यीशु ने अपने चेलों के विषय में क्या भविष्यवाणी की?

यीशु ने भविष्यवाणी की कि उनके सभी चेले भी उनके कारण ठोकर खाएंगे।

मरकुस 14:30

पतरस के यह कहने के बाद कि वह कभी ठोकर नहीं खाएगा, यीशु ने उससे क्या कहा?

यीशु ने पतरस से कहा कि आज ही इसी रात को मुर्गे के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझसे मुकर जाएगा।

मरकुस 14:32–34

जब यीशु प्रार्थना कर रहे थे, तो उन्होंने अपने तीन चेलों से क्या करने को कहा?

यीशु ने उन्हें वहाँ ठहरने और जागते रहने के लिए कहा।

मरकुस 14:35

यीशु ने किस बात के लिए प्रार्थना की?

यीशु ने प्रार्थना की कि यदि हो सके तो यह समय उस पर से टल जाए।

मरकुस 14:36

अपने पिता से की गई प्रार्थना के उत्तर के रूप में यीशु किस बात को स्वीकार करने के लिए तैयार थे?

यीशु पिता की जो भी इच्छा उनके लिए थी, उसे स्वीकार करने के लिए तैयार थे।

मरकुस 14:37

जब यीशु तीन चेलों के पास लौटे, तो उन्होंने क्या पाया?

यीशु ने तीनों चेलों को सोते हुए पाया।

मरकुस 14:40

जब यीशु दूसरी बार प्रार्थना से लौटे, तो उन्होंने क्या पाया?

यीशु ने तीनों चेलों को सोते हुए पाया।

मरकुस 14:41

जब यीशु तीसरी बार प्रार्थना से लौटे, तो उन्होंने क्या पाया?

यीशु ने तीनों चेलों को सोते हुए पाया।

मरकुस 14:44-45

यहूदा ने पहरुओं को यह बताने के लिए कौन सा चिन्ह दिया कि यीशु कौन हैं?

यहूदा ने यीशु को चूमा ताकि यह दिखा सकें कि यीशु कौन हैं।

मरकुस 14:48-49

यीशु ने किस विषय में कहा कि उसकी गिरफ्तारी में पवित्रशास्त्र की बात पूरी करने के लिए क्या किया जा रहा था?

यीशु ने कहा कि पवित्रशास्त्र की बातें पूरी हो रहीं थीं क्योंकि वे उन्हें एक डाकू की तरह तलवारों और लाठियों के साथ गिरफ्तार करने आए थे।

मरकुस 14:50

जब यीशु पकड़वाया गया, तो उसके साथ रहनेवालों ने क्या किया?

जो लोग यीशु के साथ थे, वे उन्हें छोड़कर भाग गए।

मरकुस 14:51-52

जब यीशु को गिरफ्तार किया गया, तो जो जवान उनके पीछे चल रहा था उसने क्या किया?

वह जवान चादर छोड़कर नंगा भाग गया।

मरकुस 14:53-54

जब यीशु को प्रधान याजक के पास ले जाया गया, तब पतरस कहाँ था?

पतरस प्यादों के साथ बैठकर आग तापने लगा।

मरकुस 14:55-56

जो गवाही महासभा के सामने यीशु के विरोध में दी गई थी, उसमें क्या गलत था?

यीशु के खिलाफ गवाही झूठी थी और उनकी गवाही एक सी न थी।

मरकुस 14:61

महायाजक ने यीशु से उसके विषय में कौन सा प्रश्न किया कि वह कौन है?

महायाजक ने यीशु से पूछा कि क्या वे उस परमधन्य का पुत्र मसीह हैं।

मरकुस 14:62

यीशु ने महायाजक के प्रश्न का क्या उत्तर दिया?

यीशु ने उत्तर दिया, "हाँ मैं हूँ।"

मरकुस 14:64

यीशु का उत्तर सुनकर, महायाजक ने उन्हें किस बात का दोषी ठहराया?

महायाजक ने कहा कि यीशु निन्दा के दोषी हैं।

मरकुस 14:65

उन्हें मृत्यु के योग्य ठहराने के बाद उन्होंने यीशु के साथ क्या किया?

उन्होंने उन पर थूका, उन्हें मारा, और पीटा।

मरकुस 14:66–68

पतरस ने उस दासी को क्या उत्तर दिया जिसने कहा कि वह यीशु के साथ था?

पतरस ने उत्तर दिया कि वह तो नहीं जानता और नहीं समझता कि वह क्या कह रही है।

मरकुस 14:71

जब पतरस से तीसरी बार पूछा गया कि क्या वह यीशु का चेला है, तो उसका उत्तर क्या था?

पतरस स्वयं को कोसने और शपथ खाने लगा कि वह यीशु को नहीं जानता।

मरकुस 14:72

पतरस के तीसरी बार उत्तर देने के बाद क्या हुआ?

पतरस के तीसरी बार उत्तर देने के बाद, मुर्गे ने दूसरी बार बाँग दी।

मरकुस 14:72 (#2)

पतरस ने मुर्गे की बाँग सुनने के बाद क्या किया?

मुर्गे की बाँग सुनने के बाद, पतरस फूट फूटकर रोने लगा।

मरकुस 15:1

भोर होते ही प्रधान याजकों ने यीशु के साथ क्या किया?

भोर होते ही, उन्होंने यीशु को बन्धवाया और उसे ले जाकर पिलातुस के हाथ सौंप दिया।

मरकुस 15:5

जब प्रधान याजक यीशु के खिलाफ कई आरोप पेश कर रहे थे, तो पिलातुस को यीशु की कौन सी बात पर आश्चर्य हुआ?

पिलातुस को इस बात से आश्चर्य हुआ कि यीशु ने अब उन्हें उत्तर देना बन्द कर दिया था।

मरकुस 15:6

पर्व के समय भीड़ के लिए पिलातुस आमतौर पर क्या करता था?

पिलातुस आमतौर पर पर्व के समय भीड़ द्वारा अनुरोध किए गए एक बन्धुए को छोड़ दिया करता था।

मरकुस 15:10

पिलातुस यीशु को भीड़ के सामने क्यों छोड़ना चाहता था?

पिलातुस जनता था कि प्रधान याजक ने डाह के कारण यीशु को पकड़वाया था।

मरकुस 15:11

भीड़ ने किसे छोड़ने के लिए पुकारा?

भीड़ ने बरअब्बा को छोड़ने के लिए पुकारा।

मरकुस 15:12–13

भीड़ के अनुसार यहूदियों के राजा के साथ क्या किया जाना चाहिए?

भीड़ ने कहा कि यहूदियों के राजा को क्रूस पर चढ़ाया जाना चाहिए।

मरकुस 15:17

सैनिकों ने यीशु को किस प्रकार के वस्त्र पहनाए?

सैनिकों ने यीशु को बैंगनी वस्त्र पहनाया और काँटों का मुकुट गूँथकर उसके सिर पर रखा।

मरकुस 15:21

यीशु का क्रूस किसने उठाया?

एक राहगीर, शमौन कुरेनी को यीशु का क्रूस उठाने के लिए विवश किया गया।

मरकुस 15:22

सैनिक यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए जिस स्थान पर लाए थे, उस स्थान का नाम क्या था?

उस स्थान का नाम गुलगुता था, जिसका अर्थ है खोपड़ी का स्थान।

मरकुस 15:24

सैनिकों ने यीशु के कपड़ों का क्या किया?

सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिए चिट्ठियाँ डालीं।

मरकुस 15:26

सैनिकों ने यीशु के खिलाफ कौन सा आरोप दोषपत्र पर लिखा था?

सैनिकों ने दोषपत्र पर "यहूदियों का राजा" लिखा था।

मरकुस 15:29–30

जो लोग मार्ग में जा रहे थे, उन्होंने यीशु को क्या चुनौती दी?

जो लोग मार्ग में जा रहे थे, उन्होंने यीशु को चुनौती दी कि क्रूस पर से उतरकर अपने आपको बचा ले।

मरकुस 15:31–32

प्रधान याजक ने कहा कि यीशु को क्या करना चाहिए ताकि वे विश्वास कर सकें?

प्रधान याजकों ने कहा कि यदि यीशु क्रूस पर से उतर आए, तो वे उन पर विश्वास करेंगे।

मरकुस 15:32

प्रधान याजक ने यीशु का उपहास करते समय कौन-सा शीर्षक उपयोग किया?

प्रधान याजकों ने यीशु को मसीह और इस्राएल का राजा कहा।

मरकुस 15:33

दोपहर में क्या हुआ?

दोपहर में, सारे देश में अंधियारा छा गया।

मरकुस 15:34

तीसरे पहर में यीशु ने क्या कहा?

यीशु ने बड़े शब्द से पुकारकर कहा, "हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?"

मरकुस 15:37

यीशु ने अपने बलिदान से पहले क्या किया?

यीशु ने बड़े शब्द से चिल्लाकर प्राण छोड़ दिये।

मरकुस 15:38

जब यीशु की मृत्यु हुई, तब मन्दिर में क्या हुआ?

जब यीशु की मृत्यु हुई, तो मन्दिर का परदा ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया।

मरकुस 15:39

जब सूबेदार ने देखा कि यीशु कैसे मरे, तो उसने क्या गवाही दी?

सूबेदार ने गवाही दी कि सचमुच यह मनुष्य, परमेश्वर का पुत्र था।

मरकुस 15:42

यीशु किस दिन मरे थे?

यीशु की मृत्यु सब्त के दिन से एक दिन पहले हुई।

मरकुस 15:43–46

यीशु की मृत्यु के बाद अरिमतियाह के यूसुफ ने क्या किया?

अरिमतियाह के यूसुफ ने यीशु को क्रूस से उतारा, उन्हें मलमल की चादर में लपेटा, और एक कब्र में रखा, और कब्र के द्वार पर एक पत्थर लुढ़का दिया।

मरकुस 16:1–2

स्त्रियाँ यीशु के शरीर पर सुगन्धित वस्तुएँ मलने के लिए उसकी कब्र पर कब गयीं?

सप्ताह के पहले दिन बड़े भोर, जब सूरज निकला ही था, वे कब्र पर गईं।

मरकुस 16:4

स्त्रियाँ कब्र में कैसे गईं, जबकि प्रवेश द्वार पर बहुत बड़ा पत्थर रखा हुआ था?

किसी ने प्रवेश द्वार से बहुत बड़े पत्थर को लुढ़का दिया था।

मरकुस 16:5

जब स्त्रियाँ कब्र पर पहुचीं, तो उन्होंने क्या देखा?

स्त्रियों ने एक जवान को श्वेत वस्त्र पहने हुए दाहिनी ओर बैठे देखा।

मरकुस 16:6

उस जवान ने यीशु के विषय में क्या कहा?

उस जवान ने कहा कि यीशु जी उठे हैं, और यहाँ नहीं हैं।

मरकुस 16:7

उस जवान ने किस स्थान के बारे में बताया की चेलें यीशु से वहां मिलेंगे?

उस जवान ने कहा कि चेलें गलील में यीशु से मिलेंगे।

मरकुस 16:9

अपने पुनरुत्थान के बाद यीशु सबसे पहले किसको दिखाई दिए?

यीशु सबसे पहले मरियम मगदलीनी को दिखाई दिए।

मरकुस 16:11

जब मरियम ने चेलों से कहा कि उसने यीशु को जीवित देखा है, तो चेलों ने कैसे प्रतिक्रिया दी?

चेलों ने विश्वास नहीं किया।

मरकुस 16:13

जब दो अन्य लोगों ने यीशु के चेलों को बताया कि उन्होंने यीशु को जीवित देखा है, तो उन्होंने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

चेलों ने विश्वास नहीं किया।

मरकुस 16:14

जब यीशु चेलों को दिखाई दिए, तो उन्होंने उनके अविश्वास के बारे में उनसे क्या कहा?

यीशु ने चेलों को उनके अविश्वास और मन की कठोरता पर उलाहना दिया।

मरकुस 16:15

यीशु ने अपने चेलों को क्या आज्ञा दी?

यीशु ने चेलों को आज्ञा दिया कि वे सारे जगत में जाकर सुसमाचार का प्रचार करें।

मरकुस 16:16

यीशु ने किसके बारे में कहा कि उसका उद्धार होगा?

यीशु ने कहा जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा।

मरकुस 16:16 (#2)

यीशु ने किसके बारे में कहा कि उन्हें दोषी ठहराया जाएगा?

यीशु ने कहा कि जो विश्वास नहीं करेंगे, वे दोषी ठहराए जाएंगे।

मरकुस 16:17–18

यीशु ने विश्वास करनेवालों के साथ कौन-कौन से चिह्न के बारे में कहा है?

यीशु ने कहा कि जो विश्वास करेंगे वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई-नई भाषा बोलेंगे, किसी भी घातक वस्तु से उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा, और वे दूसरों को चंगा करेंगे।

मरकुस 16:19

चेलों से बात करने के बाद यीशु के साथ क्या हुआ?

चेलों से बात करने के बाद, यीशु स्वर्ग पर उठा लिए गए, और परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गए।

मरकुस 16:20

फिर चेलों ने क्या किया?

फिर चेले निकलकर हर जगह प्रचार करने लगे।

मरकुस 16:20 (#2)

फिर प्रभु ने क्या किया?

फिर प्रभु चेलों के साथ काम करता रहा और चिन्हों के द्वारा जो साथ-साथ होते थे, वचन को दृढ़ करता रहा।